45 वर्ष | नवम् अंक | अप्रैल 2023

534वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 राष्ट्रीय घटनाक्रम

13 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

17 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

26 राज्य समाचार

35 नवीनतम सामान्य ज्ञान

41 खेलकूद

45 रोजगार समाचार

47 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

49 विशेष–पुनर्योजी कृषि

52 दिव्य दर्पण

अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

59 **मोहम्मद साकिब आलम**
सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (279वाँ स्थान)

61 **मसीहा नजम**
उत्तर प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (18वाँ स्थान)

62 **मानवेन्द्र सिंह**
उत्तर प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (30वाँ स्थान)

65 **सुन्निया गुप्ता**
जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (54वाँ स्थान)

67 स्मरणीय तथ्य

विश्व परिदृश्य

69 ग्लोबल साउथ व भारत

71 भारत–चीन सम्बन्ध तनाव का विस्तार

फोकस

73 (1) जल जीवन मिशन : हर घर नल से जल

76 (2) यूपीआई-पेनाउ लिंकेज : अन्तर्राष्ट्रीय कोष हस्तांतरण की अभिनव पहल

79 (3) वैश्विक सूचकांकों 2022 में भारत

विविधा

82 ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

86 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

95 **अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख**—पुतिन-जिनपिंग दोस्ती से भारत चिंतित

97 **शैक्षिक लेख**—मातृभाषा में शिक्षा : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अभिनव पहल

99 **शासन-प्रणाली लेख**—सुशासन की अवधारणा

101 **कृषि लेख**—पोषक अनाजों से कुपोषण उन्मूलन

105 **भौगोलिक लेख**—पृथ्वी की आन्तरिक कोर ने घूमना किया बन्द, क्या होगा इसका प्रभाव ?

107 **कॅरियर लेख**—सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2023 : तैयारी में निरन्तरता बनाए रखने से मिलेगा अपनी मेहनत का फल

109 **सार संग्रह**

हल प्रश्न-पत्र

112 यू.जी.सी.नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2022—शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता

117 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2021

127 68वीं बी.पी.एस.सी. प्रारम्भिक परीक्षा, 2022—सामान्य अध्ययन

मॉडल हल प्रश्न

140 आगामी संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

157 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

158 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

161 क्या आप जानते हैं ?

162 अपना ज्ञान बढ़ाइए

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

163 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—विवेकी होना चतुर होने से हमेशा बेहतर

165 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक**—523 का परिणाम

166 **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक 213**

169 English—Combined Defence Services Exam. II, 2022

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

सम्पादकीय

योग्य बनें, तब कामना करें

"The quality of our expectations determines the quality of our actions."
— A Godin

खेल के मैदान, तरण-ताल, व्यायाम-शालाएं आदि अधिकतर वीरान दिखाई देते हैं. कक्षाओं में भी उपस्थिति बहुत कम दिखाई देती है. विद्यालयों, महाविद्यालयों आदि में सृजनात्मक गतिविधियाँ प्रायः समाप्त हो गई हैं. ऐसा लगता है हमारे युवकों को किसी काम के प्रति रुचि नहीं रही है अथवा उनके जीवन में रस नहीं रहा है. बहुत हुआ तो वे कान में मोबाइल फोन लगाए हुए बातें करते हुए देखे जा सकते हैं. इस स्थिति के मूल में यह कारण मालूम पड़ता है कि उनका भविष्य सर्वथा अनिश्चित है. उनसे बात करने पर एक तथ्य उभर कर आता है—एम. ए. तक तो वे निश्चित हैं, उसके बाद सब कुछ भाग्य और भगवान के भरोसे है. बहुत कम छात्र ऐसे मिलेंगे जिनका जीवन किसी निश्चित दिशा में उन्मुख हो. लोक सेवा आयोगों की रिपोर्टों द्वारा दो बातें सामने आती हैं—(i) प्रतियोगी प्रतियोगिता के लिए प्रायः उन विषयों का चयन नहीं करते हैं, जो उन्होंने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पढ़े होते हैं तथा (ii) वे जिस पद को प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील होते हैं—उस पद पर नियुक्त अधिकारी से किन गुणों की अपेक्षा की जाती है—इसका उन्हें ज्ञान नहीं होता है. निष्कर्ष स्पष्ट है—अधिकांश प्रतियोगियों द्वारा बी. ए., एम. ए. आदि में की गई पढ़ाई व्यर्थ चली जाती है तथा वे प्रायः पूरी तैयारी के साथ प्रतियोगिता में भाग नहीं लेते हैं. इन लक्ष्यहीन अथवा दिशाहीन प्रतियोगियों की तुलना उस यात्री से की जा सकती है जो गलत ट्रेन में बैठ गया हो अथवा जिसे यही न मालूम हो कि उसे कहाँ जाना है. मान लीजिए वह यात्री दिल्ली पहुँच जाता है, तब उसे ज्ञान होता है कि वह गलत जगह आ गया है. ऐसी स्थिति में वह दूसरी ट्रेन में सवार होकर अपनी भूल को सुधार सकता है, परन्तु उस छात्र/छात्रा के बारे में क्या कहा जाएगा जिसके जीवन की यात्रा बहुत पहले आरम्भ हो चुकी हो और उसे यही पता नहीं है कि उसे कहाँ जाना है. स्टेशन पर समाप्त होने वाली नहीं है और इस यात्रा में तय की गई दूरी अथवा गलत दिशा से वापसी की सम्भावना भी नहीं है. इस श्रेणी के युवकों के जीवन में यदि एक प्रकार की अजीव बैचेनी एवं निराशा भर जाए, तो यह सर्वथा स्वाभाविक है. इस बेचैनी और जीवन की व्यापक उकताहट को दूर करने के लिए वे हर प्रकार की उत्तेजनात्मक गतिविधियों—चेन खींचना, राहजनी, डकैती, बलात्कार आदि में भाग लेते हुए देखे जाते हैं.

●●●